सूफी आन्दोलन

परिभाषा -

सूफी मन का उद्भव

- डॉ. युसुफ हुसैन का मत→
- प्रो. निजामी के अनुसार →
- डॉ. ए. एल श्रीवास्तव द्वारा →

सूफी अवस्थाए

- सेवा
- परम आनंद
- गुरु की महत्ता एकाकार
- वास्तविक ज्ञान
- पवित्रता
- दयालुता
- फना होना

सूफी विद्वान

- परमात्मा का अस्तित्व हर जगह है।
- धर्म सत्य की ओर ले जाने का मार्ग है ।
- मनुष्य के समस्त कर्मो का कर्ता परमात्मा है इसलिए पाप और पुण्य का कोई भेद नहीं है ।
- मृत्यु की कामना करना सूफी का लक्ष्य है।
- साधना पवित्र होती है।
- एकेश्वरवार का मनन जीवन पर्यन्त करना ।

प्रमुख सूफी संत

शेख मोइनुद्दीन चिश्ती → 1141 मे जन्म , 1190 में अजमेर में आगमन, पृथ्वीराज चौहान शासक, रामदेव शिष्य बने ।

शेख कुकुबुद्दीन बख्तियार काकी → शिष्य, भाग्य बंधु की उपाधि, इल्तुतमिश शासक, रोटियो वाला, 1235 में मृत्यु ।

फरीदुद्दीन गंजे शंकर → शिष्य, एकान्त में निवास, आडम्बर की आलोचना, खानकाह की स्थापना ।

शेख निज़ामुद्दीन औलिया → 1236 में जन्म, मो. बिन तुगलक शासक, बरनी ने वर्णन, सात सुल्तानो का शासन, 1325 में मृत्यु ।

अमीर खुसरों → जन्म 1254 में, बलबन शासक जन्म जात प्रतिभा, उच्च पद पर आसीन शेख निजामुद्दीन औलिया के शिष्य, गुरु से प्रेम ।

अन्य सूफी संत

हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रयास

निष्कर्ष

डॉ. शबनूर सिद्दीकी
प्राध्यापक इतिहास